पाठ 9. तितली रानी

पाठ की भूमिका

इस पाठ में जीवों के प्रति प्रेमभाव दर्शाया गया है। तितली को केंद्र में रखकर कविता का ताना-बाना बुना गया है। इस कविता के माध्यम से बच्चे अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने में सक्षम हो सकेंगे। कवि ने बच्चों को अपरिचित परिस्थितियों में जीवन को समझने की प्रेरणा दी है।

पाठ का सार

कवि एक बालक के रूप में तितली के रंग-रूप का वर्णन करता है। वह बताता है कि तितली फूल-फूल पर जाती है और उनके रंग चुराकर अपने पंखों की सजावट करती है। तितली चालाक भी होती है क्योंकि जब कोई उसके पास जाए तो वह झट से उड़ जाती है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का सस्वर वाचन करें और बच्चों से उसका अनुसरण करने को कहें। साथ में तितली के रंग-रूप, आदि की चर्चा करें। बच्चों से पूछें कि तितलियाँ फूलों पर क्यों मँडराती हैं। यदि वे सटीक उत्तर न दे पाएँ तो उनकी सहायता करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या** 10 देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्दों को लिखते समय बच्चे कई प्रकार की त्रुटियाँ करते हैं, जैसे–मात्रा संबंधी त्रुटियाँ या अनावश्यक रूप से संयुक्ताक्षरों का प्रयोग। उच्चारण पर बल देते हुए इन त्रुटियों की ओर उनका ध्यान आकृष्ट करें। शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि वाक्य छोटे-छोटे हों और शुद्ध हों।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - चित्र में रंग भरते समय बच्चों को अपनी कल्पना का उपयोग करने की पूरी छूट दें। हाँ, उनसे अपेक्षा रखें कि रंग भरते समय वे सफ़ाई का ध्यान रखें।